

इंद्रधनुषी वि. (तत्.) 1. इंद्रधनुष से संबंधित 2. इंद्रधनुष के समान सात रंगों वाला 3. आकर्षक रंगों वाला।

इंद्रध्वज पुं. (तत्.) 1. इंद्र की पताका 2. भाद्रपक्ष शुक्ला द्वादशी को वर्षा और फसल की वृद्धि के लिए होने वाला एक पूजन जिसमें राजा लोग इंद्र को ध्वजा चढ़ाते थे और उत्सव मनाते थे 3. प्राचीन भारत में प्रचलित एक उत्सव जिसमें वैदिक देव इंद्र की आराधना होती थी।

इंद्रनील पुं. (तत्.) नीलम, नीलमणि।

इंद्रपुरी स्त्री. (तत्.) 1. इंद्रलोक की राजधानी, अमरावती 2. सुन्दर और संपन्न नगरी।

इंद्रप्रस्थ पुं. (तत्.) महाभारत कालीन एक नगर जिसे पांडवों ने खांडव वन जलाकर बसाया था। यह आधुनिक दिल्ली के निकट माना जाता है।

इंद्रयव पुं. (तत्.) 1. कुटज अथवा कुरैया नामक वृक्ष 2. कुटज के बीज, इन बीजों का आकार जौ की तरह का होता है, इंद्रजव।

इंद्रलोक पुं. (तत्.) इंद्र का संसार, स्वर्ग।

इंद्रवंशा पुं. (तत्.) बारह वर्णों का एक समवर्णिक छंद। इसके प्रत्येक चरण में तगण, जगण और रगण होते हैं।

इंद्रवज्रा पुं. (तत्.) एक वर्णवृत्त का नाम जिसमें दो तगण, एक जगण और दो गुरु होते हैं।

इंद्रवधू स्त्री. (तत्.) 1. इंद्र की पत्नी, शची देवी 2. इंद्रगोपक, बीर बहूटी।

इंद्रवल्लरी स्त्री. (तत्.) एक सुशोभनीय पौधा, हारसिंगार, पारिजात वृक्ष।

इंद्रवल्ली स्त्री. (तत्.) इंद्रवल्लरी, हारसिंगार, पारिजात।

इंद्रवारुणी स्त्री. (तत्.) इंद्रायन नामक औषधि की लता, इंद्रायन।

इंद्रवृक्ष पुं. (तत्.) पहाड़ी क्षेत्रों में प्राप्त ऊँचे कद का सुगंधित वृक्ष, देवदारु वृक्ष।

इंद्रशक्ति स्त्री. (तत्.) इंद्र-पत्नी शची, इंद्राणी।

इंद्रशत्रु पुं. (तत्.) वृत्रासुर।

इंद्रसभा स्त्री. (तत्.) 1. इंद्र की सभा, यह सभा स्वर्ग में आयोजित होती है 2. संपन्न, वैभवशाली और रमणीय स्थान।

इंद्रसारथि पुं. (तत्.) मातलि, वायु।

इंद्रसुत पुं. (तत्.) 1. इंद्र का पुत्र, जयंत 2. बालि 3. अर्जुन।

इंद्रसूनु पुं. (तत्.) इंद्रसुत, जयंत।

इंद्राणी स्त्री. (तत्.) 1. इंद्र की पत्नी शची 2. बड़ी इलायची 3. इंद्रायन वृक्ष 4. दुर्गा देवी।

इंद्रानुज पुं. (तत्.) इंद्र का छोटा भाई, वामन अवतार लेने वाले विष्णु भगवान।

इंद्रायुध पुं. (तत्.) [इंद्र+आयुध] 1. इंद्र का आयुध 2. वज्र 3. इंद्रधनुष।

इंद्रासन पुं. (तत्.) इंद्र का सिंहासन, इंद्रपद 2. राजसिंहासन।

इंद्रिय स्त्री. (तत्.) 1. जीवात्मा (प्राणी) के ज्ञान की प्राप्ति और कार्य करने का साधन 2. वह शक्ति जिससे बाहरी विषयों का ज्ञान प्राप्त होता है 3. शरीर के वे अवयव जिनके द्वारा विषयों का ज्ञान प्राप्त होता है।

इंद्रियगत वि. (तत्.) 1. इंद्रियों द्वारा अनुभूत 2. इंद्रियों का।

इंद्रियगम्य वि. (तत्.) इंद्रियों की शक्ति द्वारा समझा जाने वाला, इंद्रियगोचर।

इंद्रियगोचर वि. (तत्.) इंद्रियों द्वारा ग्रहण करने योग्य या ज्ञेय, इंद्रियों का विषय होने योग्य पुं. इंद्रियों का विषय।

इंद्रियजित् वि. (तत्.) 1. जिसने इंद्रियों को जीत लिया हो 2. जो विषयासक्त न हो।

इंद्रियदमन पुं. (तत्.) [इंद्रिय+दमन] 1. कर्मेन्द्रियों और ज्ञानेन्द्रियों को इधर-उधर भटकने न देने का कार्य, इंद्रियों को सायास नियंत्रण में रखने का कार्य 2. इंद्रियनिग्रह, आचरणगत रूप से इंद्रियों पर नियंत्रण।

इंद्रियनिग्रह पुं. (तत्.) इंद्रियों की आसक्ति को दबाना, इंद्रियों के वेग को रोकना।

इंद्रियनिष्ठ वि. (तत्.) [इंद्रिय+निष्ठ] इंद्रियों के भोग-विलास में आसक्त, इंद्रियों की वासना में लिप्त, ज्ञान तथा कर्मेन्द्रियों का रस भोगी।